No. of Printed Pages : 3 **MJY–005**

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.जे.वाई.-005 : ज्योतिर्विज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में विभक्त है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $3 \times 20 = 60$

1. वराहमिहिर के कर्तृत्व एवं जीवन पर प्रकाश डालिए।

2. 'आर्यभटीयम्' ग्रन्थ की विषयवस्तु के आधार पर उसकी समीक्षा कीजिए।

3. ज्योतिष के क्षेत्र में लल्ल के योगदान की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

4. बटेश्वर का परिचय देते हुए उनके कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।

5. ज्योतिष के क्षेत्र में गणेश दैवज्ञ के योगदान की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

6. वेंकटेश बापू केतकर का परिचय देते हुए उनके कर्तृत्व का विस्तृत निरूपण कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $4 \times 10 = 40$

1. 'वेदाङ्ग ज्योतिष' में वर्णित विषयों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2. बापूदेव शास्त्री का परिचय दीजिए।

3. 'ब्रह्मस्फुटसिद्धान्त' ग्रन्थ का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4. 'सिद्धान्तशिरोमणि' ग्रन्थ का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए।

5. सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा निर्माण कराए गए किन्हीं **दो** यन्त्रों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. महामहोपाध्याय पं. सुधाकर द्विवेदी जी के कर्तृत्व का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. सामन्त चन्द्रशेखर के कर्तृत्व का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8. 'गोलीय रेखागणित' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

× × × × ×